

दिनांक

डॉ० रणवीर सिंह
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

संज्ञा

आवकारी अनुदान
उत्तराखण्ड, देहरादून।

आवकारी अनुदान

देहरादून: दिनांक 15 जनवरी 2010।

विषय :- वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय में पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि विवर्तन में रखे जाने के सम्बन्ध में।

माहिदय

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 213/आठ-लोक/कजूर आगमन-331/2009-10 दिनांक 13 अक्टूबर 2009 के कम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि आवकारी विभाग में वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-08 के अन्तर्गत आवकारी मुख्यालय हेतु 03-अभियन्ता के अन्तर्गत 48-महगाई इतन रकम में रूप में 80,000/- (रुपये अस्सी हजार मात्र) की धनराशि संलग्न बी०एम्०-15 के अनुसार सफलता यशों से गारंटीज का व्यव करने की राज्यपाल महोदय सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. पुनर्विनियोग की जाने वाली धनराशि का उपयोग उसी निमित्त किया जाये जिस प्रयोजन से इसे स्वीकृति दी गई है तथा व्यव वाली रकम में किया जाये, जिसमें यह स्वीकृत किया जा रहा है।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यव वाला वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय की अनुदान सं०-08 लेखासीमा-2039-राज्य उत्पादन शुल्क, 001-निर्देशन तथा प्रशासन, 00 03-अभियन्ता, 48-महगाई इतन के अन्तर्गत राशियाँ इकाईयों के नाम में डाला जायेगा।

6. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के आईआरसीए संख्या 472NP/XXVII(6)/2008 दिनांक 24-12-2008 के अन्तर्गत उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

माहिदय

डॉ० रणवीर सिंह
सचिव

संख्या 11 / XXIII / 2010 / 73 / 2009 तदुद्दिष्ट।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, आभराय भवन, गजरा, देहरादून।
2. सचिव, क्षेत्राधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
3. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
4. निर्देशक एम्०आई०सी० उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाइल।

(सचिव, सी)

(ओ० पी० तिवारी)
उप सचिव